भाषा और व्याकरण
(Language and Grammar)

शिक्षक निर्देश: सॉफ़्टवेयर में दिए गए एनिमेशन को विद्यार्थियों को दिखाइए।

भाषा क्या है ?

मनुष्य के मन में अनेक प्रकार के भाव तथा विचार जागृत होते हैं। वह अनेक विषयों पर चिंतन करता है। वह इन भावों और विचारों को प्रकट करना चाहता है। इसी प्रकार वह दूसरे के मन में उठने वाले भावों और विचारों को जानना चाहता है। कभी वह बोलकर, कभी लिखकर और कभी संकेतों द्वारा अपने मनोभावों को व्यक्त करता है।

दिए गए चित्रों को देखिए–

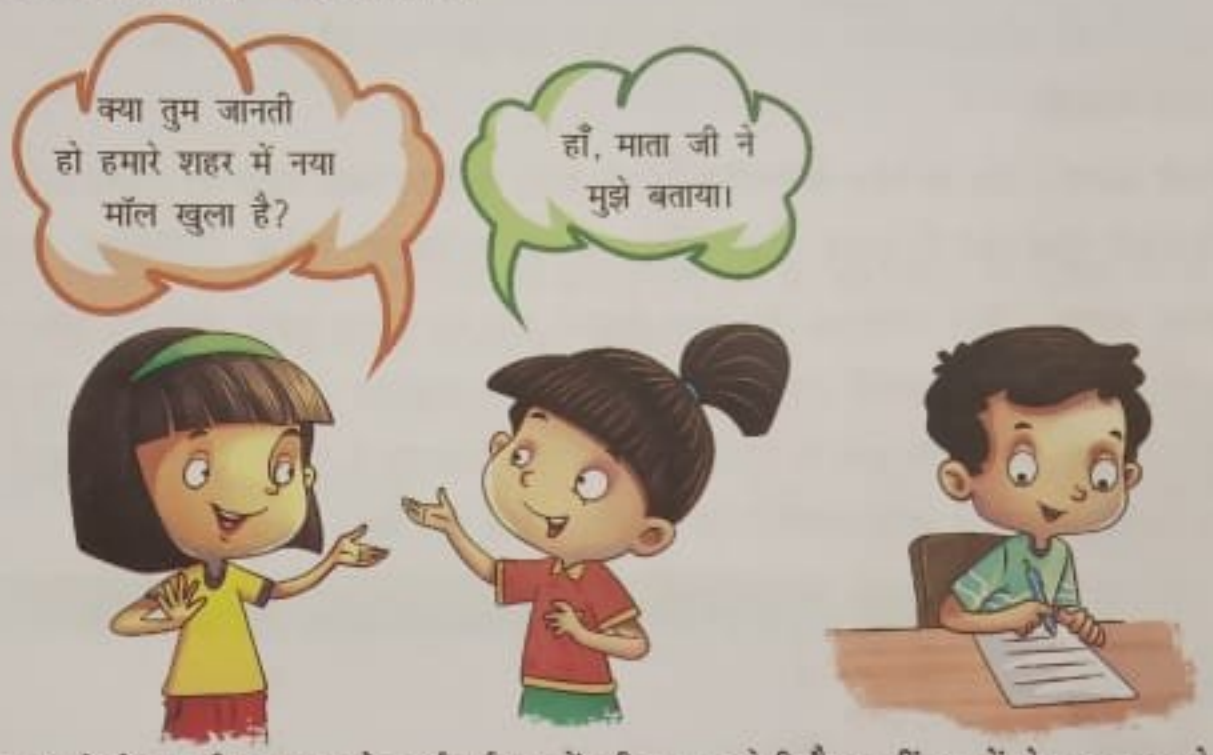

पहले चित्र में रिया और परी बोलकर अपने विचारों का आदान-प्रदान कर रही हैं। दूसरे चित्र में आदित्य पत्र लिखकर अपने मन की बात अपने चाचा जी को बता रहा है।

बोलकर या लिखकर अपने भावों तथा विचारों को प्रकट करना **भाषा** कहलाता है।

भाषा शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की 'भाष्' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है– 'बोलना'। बोलने में प्रयुक्त विभिन्न ध्वनियों के सार्थक समूह से अर्थपूर्ण शब्दों की रचना होती है। इन्हीं शब्दों से वाक्य बनते हैं और फिर इन वाक्यों से विचारों एवं भावों का आदान-प्रदान किया जाता है। यही भाषा है।

परिभाषा

भाषा वह साधन है जिसके द्वारा मनुष्य अपने मन के भावों या विचारों को दूसरों के सामने प्रकट करता है तथा दूसरों के भावों या विचारों को समझता है।

भाषा के दो रूप होते हैं–

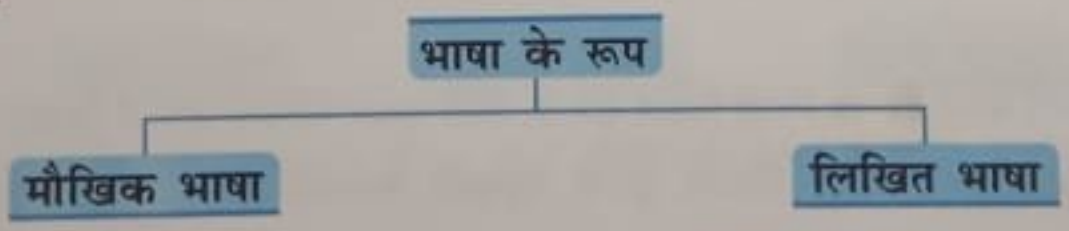

1. **मौखिक भाषा**– जब मुख से बोलकर विचार प्रकट किए जाते हैं तो वह **मौखिक भाषा** कहलाती है। लोक व्यवहार में भाषा के इस रूप का प्रयोग सर्वाधिक किया जाता है।
2. **लिखित भाषा**– जब भावों या विचारों को लिखकर व्यक्त किया जाता है और पढ़कर समझा जाता है तो वह **लिखित भाषा** कहलाती है।